



## लेख : दोस्ती

**.परिवर्तनकरी कुशराज**

हिन्दी और बुन्देली में लेख, कहानी, कविता, डायरी, निबंध और संस्मरण लेखन  
<https://sahityacinemasetu.com/lekh-dosti/>

जिंदगी में दोस्ती बहुत जरूरी है। सच्ची दोस्ती जिन्दगी को बना देती है और कपटी दोस्ती बनी हुई जिन्दगी को मिटा देती है। आजकल सच्ची दोस्ती होना बड़ा मुश्किल हो गया है। सच्चे दोस्त बड़ी मुश्किल और बहुत देर से मिलते हैं। ये दोस्त बन तो जल्दी जाते हैं, लेकिन इनकी सच्चे होने की परख बहुत दिनों बाद होती है इसलिए मैं कहता हूँ कि सच्चे दोस्त बहुत देर से मिलते हैं। सच्चे और कपटी दोस्तों में से हमें ही सच्चे दोस्तों की परख करनी होती है। हम सच्चे दोस्तों की परख बहुत दिनों बाद करते हैं और उनके साथ रहने से परख जल्दी हो जाती है कि वो सच्चे हैं या कपटी।

दोस्त का मतलब है – जो आपके दोष यानि कमियाँ बताए। आज के समय में मुझे ये मतलब सही नहीं लगता क्योंकि आजकल कई ऐसे दोस्त भी होते हैं, जो आप में कमियाँ ही निकालते रहते हैं और आपको हतोत्साहित करते रहते हैं जबकि आप में कमियाँ नहीं होती हैं। वो आपसे ईर्ष्या करते हैं और आपसे जलते हैं। वो आपकी प्रगति को देखना नहीं चाहते इसलिए आपकी निंदा करते हैं।

कभी – कभी वो आपकी निंदा इस तरह करते हैं कि आपके सही और रचनात्मक कार्य को भी गलत ठहरा देते हैं। एक समय आपको भी अपने कार्य से नफ़रत होने लगती है। अपने कार्य से नफ़रत करना बिल्कुल गलत है। जब आप स्वयं से ही सहमत नहीं हो तो भला आप दूसरों से कैसे सहमत हो सकते हो। आप हमेशा स्वयं से सहमत रहिए और हमेशा ये मानकर काम कीजिए कि मैं जो कर रहा हूँ वो सही है और मैं सही हूँ। तभी आप सार्थक बन पाओगे और जिन्दगी में अच्छा कर पाओगे।

इस संदर्भ में मैं कहता हूँ –

“आपके बारे में दुनिया क्या बोलती है,  
ये मायना नहीं करता।  
आपकी अन्तरात्मा जो बोलती है,  
वो मायना करता।। “

ऐसे दोस्त जो आपमें हर समय कमियाँ निकालते रहते हैं और आपके हर काम में दखल देते रहते हैं। आपको कोई भी काम आपके मन से नहीं करने देते हैं और अपनी सलाह देते हैं। वो कहते हैं कि इस काम को ऐसे करो जैसे मैं कह रहा हूँ। आपको ऐसे दोस्तों की कोई भी बात नहीं माननी चाहिए। इनसे दूरियाँ बनाना ही हितकर है। क्योंकि ये “मुँह में राम बगल में छुरी” नामक कहावत को चरितार्थ करते हैं। ऐसे दोस्त कपटी दोस्त कहलाते हैं। जो खुद तो कुछ नहीं करते और दूसरों को भी कार्य करने नहीं देना चाहते। ऐसे दोस्तों से सावधान रहिए। कपटी दोस्त आपको कई बार ठगते हैं और आपको धोखा देते हैं। कोई रचनात्मक कार्य आप करते हैं और वो उसका श्रेय खुद लेना चाहते हैं।

कभी-कभी वो आपको धमकाते भी हैं। उनसे कदापि मत डरिए। उनका साहस से सामना कीजिए। एक समय आपको पता चल जाता है कि इसने मुझे धोखा दिया है। तो उसी समय से उस धोखेबाज से दोस्ती तोड़ दीजिए। उससे जिंदगी में पुनः दोस्ती मत कीजिए, चाहे कुछ भी हो। इस संदर्भ में मैंने लिखा है –



“यदि आपका कोई मित्र धोखा देता है और मूर्ख बनाता है फिर भी आप उससे मित्रता किए रहते हैं तो ये आपकी सबसे बड़ी मूर्खता और जीवन की सबसे बड़ी भूल होगी।”

यदि कपटी दोस्त से दुश्मनी भी हो जाए तो चिंतित मत होईए। और ज्यादा खुश रहिए क्योंकि चाणक्यनीति में आचार्य चाणक्य ने कहा है –

“कामयाब होने के लिए अच्छे दोस्तों की आवश्यकता होती है और ज्यादा कामयाब होने के लिए अच्छे शत्रुओं की आवश्यकता होती है।”

ऐसे दोस्त जो आपके रचनात्मक कार्य की प्रशंशा करते हैं। यदि उस कार्य में कहीं सुधार की जरूरत होती है तो वे जरूरत पूरी करते हैं। वो हर समय आपको प्रोत्साहित करते रहते हैं और आपको पूरे मन से काम करने को कहते हैं। जो काम आप मन से करते हो, उसमें पूरी लगन और जोश लगा देते हो। ऐसे दोस्त आपको सलाह देते हैं परंतु उसे मानने के लिए बाध्य नहीं करते। वो जरा-जरा सी बात पर बुरा नहीं मानते। यदि मान भी जाते हैं तो उन्हें मना लेना चाहिए। ये आपके कार्य में सहयोगी बनते हैं और जरूरत पड़ने पर हर प्रकार से यानि तन, मन और धन से मदद करते हैं। वो आपकी खुशी को अपनी खुशी और दुःख को अपना दुःख समझते हैं। वो आपको अपने भाई – बहिन जैसा प्यार देते हैं। ऐसे दोस्त ‘सच्चे दोस्त’ कहलाते हैं।